

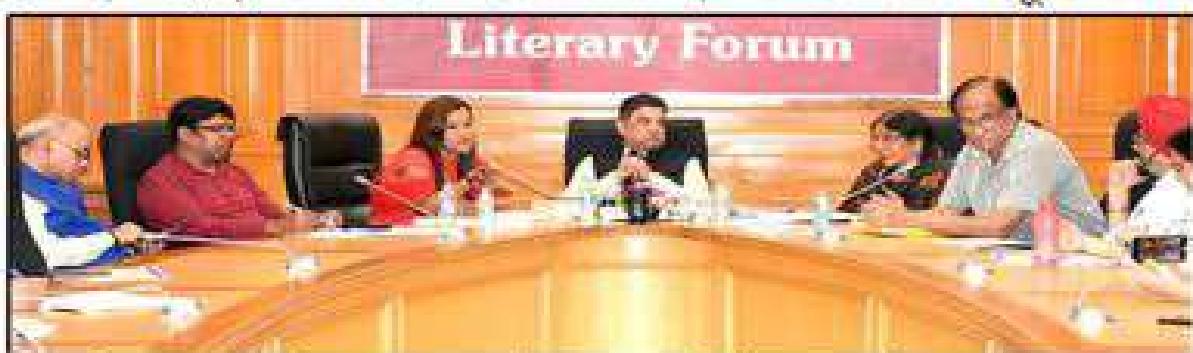
# साहित्य अकादमी द्वारा साहित्यिक मंच कार्यक्रम का आयोजन

## चार लेखकों ने पेश की अपनी रचनाएं

नई दिल्ली, 8 मई (मिसरदीप भाटिया): साहित्य अकादमी द्वारा करवाए गए साहित्यिक मंच कार्यक्रम में चार लेखकों ने अपनी रचनाएं पेश कीं। यह लेखक थे। संग्राम मिश्र (ओडिया), रत्नोत्तमा दास (असामी) रीटा मल्होत्रा (अंग्रेजी) व राजिंद्र फिल्डल (पंजाबी)। संग्राम मिश्र ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। सबसे पहले रत्नोत्तमा दास ने अपनी असामी

कहानी 'रई जावा घड़ी' का अंग्रेजी अनुवाद 'दि वाच आन हर रिस्ट' सुनाया, जोकि एक डाक्टर के मनोविज्ञान पर आधारित था। एक छोटी लड़की की दुर्घटना के साथ वह कैसे दुःखी होता है, इसको बरीकी से कहानी में पेश किया गया था। रीटा मल्होत्रा ने अपनी चार कविताएं सुनाईं, जिनके सिरलेख थे- 'जुगलबंदी' 'लीला इज सिक्सटीन' 'दि सोल डिस्कवर्ज इटस इटरनिटी' और 'ट्रूवार्डज

इन्फनिटी'। उनकी कविताओं में वर्तमान समाज की विसंगतियों के साथ-साथ प्राकृतिक का भी सुंदर चितरण था। राजिंद्र बियाला ने अपनी तीन कविताएं पेश कीं, जिनके सिरलेख थे-'कतरा कतरा' 'प्रेम दी पहली कविता', 'मैं क्यों लिखता हूं'। अंत में



कार्यक्रम में लेखक अपनी रचनाएं पेश करते हुए।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे संग्राम मिश्र ने सभी लेखकों की पेशकारी पर संक्षेप में टिप्पणियां कीं और अपनी दो कविताएं पेश कीं। उन्होंने ओडिया भाषा में भी कविता पेश की। कार्यक्रम का संचालन अकादमी के उप सचिव देवेंद्र कुमार देवेश ने किया। कार्यक्रम में विभिन्न भाषाओं के प्रसिद्ध कवि व लेखकों के साथ-साथ बड़ी संख्या में साहित्य प्रेमी उपस्थित थे।